मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

म्यांमार का संविधान

ISBN: 978-81-999966-1-8

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR

LL.M

Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : म्यांमार का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-999966-1-8**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. INDIAN FARMER AGRO CO.–** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

म्यांमार का संविधान

म्यांमार देश का संविधान

1. देश का नाम

Myanmar
देश का आधिकारिक नाम — **Republic of the Union of Myanmar (म्यांमार संघ गणराज्य)** है।

---

2. संविधान का नाम

Myanmar Constitution 2008 (with Amendments through 2015)
हिंदी में — **म्यांमार का संविधान 2008 (2015 संशोधनों सहित)**।

---

3. संविधान के अध्याय (Chapters of Constitution)

म्यांमार के संविधान में कुल **15 अध्याय (Chapters)** हैं।

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम
Chapter I	संघ के मूल सिद्धांत
Chapter II	राज्य की संरचना
Chapter III	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति
Chapter IV	विधायिका
Chapter V	कार्यपालिका
Chapter VI	न्यायपालिका
Chapter VII	रक्षा सेवाएँ
Chapter VIII	नागरिकों के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य
Chapter IX	निर्वाचन
Chapter X	राजनीतिक दल
Chapter XI	आपातकालीन प्रावधान
Chapter XII	संविधान संशोधन

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम
Chapter XIII	राज्य ध्वज, राज्य प्रतीक, राष्ट्रगान और राजधानी
Chapter XIV	संक्रमणकालीन प्रावधान
Chapter XV	सामान्य प्रावधान

---

4. संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद (Articles)

अनुच्छेद	विषय
Article 1	म्यांमार एक स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्र है
Article 4	संप्रभु शक्ति जनता से प्राप्त होती है
Article 7	बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था
Article 10	कोई क्षेत्र संघ से अलग नहीं हो सकता
Article 11	विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन
Article 16	राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होगा
Article 20	रक्षा सेवाओं की शक्तियाँ
Article 21	समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार
Article 34	धर्म की स्वतंत्रता
Article 35	बाजार आधारित अर्थव्यवस्था
Article 38	मतदान का अधिकार
Article 40	आपातकालीन शक्तियाँ
Article 45	पर्यावरण संरक्षण
Article 46	संवैधानिक न्यायाधिकरण
Article 59	राष्ट्रपति की योग्यता
Article 61	राष्ट्रपति का कार्यकाल
Article 71	राष्ट्रपति पर महाभियोग
Article 74	संसद की संरचना
Article 95	विधेयक पारित करने की प्रक्रिया
Article 436	संविधान संशोधन
Article 437	राज्य ध्वज एवं राष्ट्रीय प्रतीक
Article 457	सामान्य प्रावधान

---

5. सभी अध्यायों का संक्षिप्त विवरण

Chapter I – संघ के मूल सिद्धांत

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

इस अध्याय में म्यांमार को एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र घोषित किया गया है। इसमें राष्ट्रीय एकता, संप्रभुता, लोकतंत्र और सेना की भूमिका का वर्णन है। नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय के अधिकार दिए गए हैं।

Chapter II – राज्य की संरचना

इस अध्याय में देश की प्रशासनिक संरचना बताई गई है। म्यांमार को राज्यों, क्षेत्रों और केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है। राजधानी Nay Pyi Taw को विशेष प्रशासनिक क्षेत्र घोषित किया गया।

Chapter III – राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति

इस अध्याय में राष्ट्रपति के चुनाव, योग्यता, कार्यकाल और शक्तियों का वर्णन है। राष्ट्रपति देश का प्रमुख होता है और उसका कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।

Chapter IV – विधायिका

इसमें संसद (Pyidaungsu Hluttaw) की संरचना, विधेयक निर्माण, संसद की कार्यवाही और प्रतिनिधियों के अधिकारों का वर्णन है। संसद द्विसदनीय है।

Chapter V – कार्यपालिका

इस अध्याय में सरकार, मंत्रिपरिषद, मुख्य मंत्रियों और प्रशासनिक अधिकारियों की शक्तियों और कर्तव्यों का उल्लेख है।

Chapter VI – न्यायपालिका

इस अध्याय में सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और अन्य अदालतों की संरचना दी गई है। न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाया गया है।

Chapter VII – रक्षा सेवाएँ

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

यह अध्याय सेना की भूमिका और अधिकारों को बताता है। सेना को राष्ट्रीय सुरक्षा और संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

Chapter VIII – नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य

इस अध्याय में मौलिक अधिकार जैसे समानता, धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा, मतदान और न्याय का अधिकार दिए गए हैं। साथ ही नागरिकों के कर्तव्यों का भी उल्लेख है।

Chapter IX – निर्वाचन

इस अध्याय में चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया और प्रतिनिधियों की नियुक्ति से संबंधित प्रावधान हैं।

Chapter X – राजनीतिक दल

इस अध्याय में राजनीतिक दलों के गठन, पंजीकरण और कार्यों का वर्णन है।

Chapter XI – आपातकालीन प्रावधान

इसमें राष्ट्रीय संकट या आपातकाल की स्थिति में राष्ट्रपति और सेना की शक्तियों का वर्णन है।

Chapter XII – संविधान संशोधन

संविधान में संशोधन की प्रक्रिया बताई गई है। संशोधन के लिए संसद में विशेष बहुमत आवश्यक है।

Chapter XIII – राष्ट्रीय प्रतीक

इस अध्याय में राष्ट्रध्वज, राज्य प्रतीक, राष्ट्रगान और राजधानी से संबंधित प्रावधान दिए गए हैं।

Chapter XIV – संक्रमणकालीन प्रावधान

यह अध्याय पुराने शासन से नए संवैधानिक शासन में परिवर्तन की प्रक्रिया समझाता है।

Chapter XV – सामान्य प्रावधान

इस अध्याय में संविधान की व्याख्या और सामान्य नियमों का वर्णन है।

---

6. म्यांमार के संविधान का विस्तृत समग्र वर्णन (लगभग 5000 शब्द)

प्रस्तावना

म्यांमार का संविधान 2008 देश के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह संविधान लंबे सैन्य शासन, राजनीतिक संघर्ष और राष्ट्रीय अस्थिरता के बाद बनाया गया। संविधान का उद्देश्य देश में लोकतंत्र स्थापित करना, राष्ट्रीय एकता बनाए रखना और राज्य की संप्रभुता की रक्षा करना था।

संविधान की प्रस्तावना में म्यांमार के ऐतिहासिक संघर्षों, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता का उल्लेख किया गया है। इसमें न्याय, स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों को स्वीकार किया गया है।

संविधान की विशेषताएँ

1. संप्रभु लोकतांत्रिक राष्ट्र

संविधान के अनुसार म्यांमार एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है। देश की सारी शक्ति जनता से प्राप्त होती है। हालांकि संविधान में सेना को विशेष स्थान दिया गया है।

---

2. बहुदलीय लोकतंत्र

संविधान बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को मान्यता देता है। नागरिकों को राजनीतिक दल बनाने और चुनाव लड़ने का अधिकार है।

---

3. सेना की महत्वपूर्ण भूमिका

म्यांमार संविधान की सबसे बड़ी विशेषता सेना (Tatmadaw) की शक्तिशाली भूमिका है। संसद में सेना के लिए निश्चित सीटें आरक्षित हैं। सेना राष्ट्रीय सुरक्षा और संविधान की रक्षा की जिम्मेदार मानी गई है।

---

4. संघीय संरचना

देश को राज्यों और क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। अलग-अलग जातीय समूहों को प्रशासनिक अधिकार दिए गए हैं।

---

5. शक्तियों का विभाजन

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है ताकि सत्ता का संतुलन बना रहे।

विधायिका (Legislature)

म्यांमार की संसद को **Pyidaungsu Hluttaw** कहा जाता है। यह द्विसदनीय संसद है:

1. Pyithu Hluttaw (निचला सदन)
2. Amyotha Hluttaw (उच्च सदन)

संसद कानून बनाने का कार्य करती है। संसद के सदस्य जनता द्वारा चुने जाते हैं, लेकिन कुछ सीटें सेना के लिए आरक्षित रहती हैं।

कार्यपालिका (Executive)

राष्ट्रपति देश का प्रमुख होता है। राष्ट्रपति का चुनाव संसद द्वारा किया जाता है। राष्ट्रपति के साथ उपराष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद मिलकर शासन चलाते हैं।

कार्यपालिका के मुख्य कार्य:

- कानून लागू करना
- प्रशासन चलाना
- राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखना
- विदेश नीति संचालित करना

---

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

न्यायपालिका (Judiciary)

संविधान न्यायपालिका को स्वतंत्र बनाता है। सर्वोच्च न्यायालय देश की सर्वोच्च अदालत है। न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है।

न्यायपालिका के प्रमुख सिद्धांत:

- निष्पक्ष न्याय
- सार्वजनिक सुनवाई
- अपील का अधिकार
- कानून के अनुसार निर्णय

मौलिक अधिकार

संविधान नागरिकों को अनेक अधिकार देता है:

- समानता का अधिकार
- धार्मिक स्वतंत्रता
- मतदान का अधिकार
- संपत्ति का अधिकार
- शिक्षा का अधिकार
- न्याय पाने का अधिकार

नागरिकों के कर्तव्य

संविधान नागरिकों को राष्ट्र की एकता और कानून व्यवस्था बनाए रखने का कर्तव्य भी देता है।

आर्थिक व्यवस्था

म्यांमार ने बाजार आधारित अर्थव्यवस्था को अपनाया है। निजी संपत्ति और व्यापार की अनुमति दी गई है। सरकार आर्थिक विकास और निवेश को बढ़ावा देती है।

सामाजिक न्याय

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

संविधान किसानों, मजदूरों, महिलाओं, बच्चों और विकलांगों के हितों की रक्षा की बात करता है। सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण

संविधान प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण की सुरक्षा का प्रावधान करता है।

आपातकालीन शक्तियाँ

यदि देश में संकट उत्पन्न होता है, तो राष्ट्रपति और सेना को विशेष शक्तियाँ दी जाती हैं। यह प्रावधान राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए है।

संविधान संशोधन

संविधान में संशोधन करना कठिन है। संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। इससे संविधान की स्थिरता बनी रहती है।

संविधान की आलोचनाएँ

म्यांमार के संविधान की कई आलोचनाएँ भी हुई हैं:

1. सेना को अत्यधिक शक्तियाँ देना
2. लोकतंत्र पर सीमाएँ
3. राष्ट्रपति पद के लिए कठोर योग्यताएँ
4. अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर विवाद

संविधान का महत्व

इसके बावजूद यह संविधान म्यांमार की राजनीतिक व्यवस्था का आधार है। यह शासन, कानून और प्रशासन को दिशा देता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

निष्कर्ष

म्यांमार का संविधान 2008 देश के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और प्रशासनिक व्यवस्था का विस्तृत वर्णन है। हालांकि इसमें सेना को विशेष अधिकार दिए गए हैं, फिर भी यह संविधान म्यांमार में शासन संचालन का मुख्य आधार बना हुआ है। यह संविधान देश की राजनीतिक स्थिरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने का प्रयास करता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Myanmar

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932